BSES

DERC का निर्देश:

5 किलोवॉट से ऊपर के उपभोक्ताओं के लिए ELCB लगवाना जरूरी

- बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से बचाएगी ईएलसीबी
- अर्थ लीकेज के बारे में बताएगी, बिजली की बर्बादी रोकेगी

नई दिल्ली, 19 नवंबर, 2009। डीईआरसी ने बिजली कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे अपने उपभोक्ताओं के लिए ईएलसीबी (अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर) के उपयोग को आवश्यक बनाएं और, नया कनेक्शन देने से पहले सुनिश्चित कर लें कि यह उपकरण उपभोक्ता के यहां लग चुका है। डीईआरसी ने बिजली कंपनियों से साफ कहा है कि वे भारतीय बिजली नियम की धारा 61 ए का कड़ाई से पालन करें, जिसके तहत 5 किलोवॉट से ऊपर के उपभोक्ताओं के लिए ईएलसीबी के उपयोग को अनिवार्य किया गया है।

दरअसल, ईएलसीबी एक ऐसा उपकरण है जो उपभोक्ताओं को बिजली के झटकों और अर्थ लीकेज आदि की परेशानियों से बचाता है। यदि उपभोक्ता के यहां अर्थ लीकेज हो रहा है, या बिजली से चलने वाले किसी उपकरण को छूने पर झटके लग रहे हैं, तो ईएलसीबी उपभोक्ता के घर का करंटया संबंधित उपकरण का करंट अपने आप डिसकनेक्ट कर देगी, और बिजली से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाएगी। गौरतलब है कि अर्थ लीकेज की वजह से आए दिन लोगों को बिजली के झटके लगते रहते हैं और कभी– कभी ये झटके जानलेवा भी साबित होते हैं।

ईएलसीबी के फायदे:

- अर्थ लीकेज के बोर में बताएगी
- बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं को रोकेगी
- यदि बिजली के तार आपस में मिक्स हो रहे हैं, तो उसका पता लगाएगी
- बिजली की बर्बादी को रोकेगी

बीएसईएस के एक अधिकारी के मुताबिक, डीईआरसी के निर्देशों का अर्थ यह है कि यदि कोई उपभोक्ता बिजली का नया कनेक्शन लेना चाहता है, तो वहां मीटर लगने व बिजली का कनेक्शन दिए जाने से पहले उपभोक्ता को ईएलसीबी लगवाना होगा। इसके लिए उपभोक्ता को अपने लोकल इलेक्ट्रिशियन से संपर्क करना होगा।

बीएसईएस प्रवक्ता ने बताया– वर्तमान में जिन उपभोक्ताओं के यहां बिजली कनेक्शन तो है, लेकिन ईएलसीबी नहीं लगा है, उन्हें भी कंपनी ईएलसीबी की आवश्यकता के बारे में बताएगी, और यह उपकरण लगवाने के लिए एक समय–सीमा भी निर्धारित करेगी। डीईआरसी के निर्देशों को ध्यान में रखते हुए अगले कुछ दिनों में बीआरपीएल दक्षिणी व पश्चिमी दिल्ली में और बीवाईपीएल पूर्वी व मध्य दिल्ली में अपने वर्तमान उपभोक्ताओं के यहां भी ईएलसीबी लगवाने के बारे में औपचारिक समय–सीमा निर्धारित कर देंगी।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन ने उपभोक्ताओं– खासकर जिनका लोड 5 किलोवॉट से ऊपर है– से अपील की है कि वे जल्द से जल्द अपने लोकल इलेक्ट्रिशियन से संपर्क कर, अपने यहां ईएलसीबी लगवा लें। उनके अनुसार, यूरोप व अन्य पश्चिमी देशों में सौ प्रतिशत उपभोक्ताओं के यहां ईएलसीबी उपकरण लगे हुए हैं। यहां तक कि मुंबई व बेंगलुरू में भी दशकों से करीब करीब शत–प्रतिशत उपभोक्ता ईएलसीबी का प्रयोग कर रहे हैं।

* 1 किलोवॉट का अर्थ है 1000 वॉट्स

5 किलोवॉट का मतलब यह हो सकता है:

उपकरण	लोड (वॉट्स)*	संख्या	कुल वॉट्स
फ्रिज (165 Ltr)	150	1	150
विंडो एरस कंडीशनर (1.5 Ton)	2000	1	2000
कूलर मध्यम आकार	200	1	200
टेबल फैन/ सीलिंग फैन	80	4	
एग्जॉस्ट फैन	150	1	150
बल्ब	100	5	500
ट्यूब लाइट (चोक के साथ)	52	4	208
वॉशिंग मशीन	500	1	500
कलर टीवी	150	1	150
पंप मोटर (1 एचपी)	740	1	740
कुल			5033

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304